NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

APRIL-2025

Your Path to Success

खंड - अ

प्रश्न 1 - नाचना तथा भूमरा स्थान किस राज्य में हैं?

(A) गुजरात

(B) उड़ीसा

(C) मध्य प्रदेश

(D) महाराष्ट्र

उत्तर - (C) मध्य प्रदेश

प्रश्न 2 -"लास्ट सपर" नामक चित्र किसने चित्रित किया?

(A) लिओनार्डो डा विन्ची

(B) रैम्ब्रॉ

(C) सैन्ड्रो बोतिचेल्ली

(D) माइकल एन्जेलो

उत्तर – (A) लिओनार्डो डा विन्ची

प्रश्न 3 – 'स्माल बाटल आफ रम' पेन्टिंग किस शैली का प्रतिनिधित्व करती है?

(A) उत्तर प्रभाववाद शैली

(B) घनवादी शैली

(C) अमूर्त कला शैली

(D) अतियथार्थवादी शैली

उत्तर - (B) घनवादी शैली

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 4 – 'मैडिवल सेन्ट्स' नामक चित्र में किस मुद्रण तकनीक को अपनाया गया है?

(A) लीओग्राफी तकनीक

(B) लीथोग्राफी तकनीक

(C) ड्राइ प्वाइंट

(D) भित्ति चित्र

उत्तर – (D) भित्ति चित्र

प्रश्न 5 - बैल के शीर्ष की अति विशेषता ________ है।

(A) पृथ्वी के रंग

(B) निःवस्त्र

(C) गर्दन

(D) पालिश

उत्तर - (D) पालिश

प्रश्न 6 - उस कलाकार को पहचानिए जिसका सम्बन्ध चित्र से हैं।

(A) अबनींद्रनाथ एवं 'हंस दमयन्ती'

(B) राजा रवि वर्मा एवं 'दुष्यन्त-शकुन्तला'

(C) माइकल एन्जेलो एवं 'मोनालिसा'

(D) रैम्ब्रॉ एवं 'वीनस का जन्म'

उत्तर – (B) राजा रवि वर्मा एवं 'दुष्यन्त-शकुन्तला'

खंड - ख

नीचे लिखे अनुच्छेदों को पढ़िये और प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

प्रथम अनुच्छेद :

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 7 – यद्यपि 14वीं शती के पुनर्जागरण में डुच्चो (Duccio) तथा मासाच्चीयो (Masaccio) नामक लब्धप्रतिष्ठित कलाकारों का उदय हुआ जिनके पास शरीर रचना से संबंधित ज्ञान तो कम था, लेकिन 12वीं सदी से 16वीं सदी के दौरान पश्चिम यूरोपीय वास्तुकला को वर्णन करने की मेधा शक्ति थी। यही कारण है कि उन्होंने अपने पेंटिंग में वैज्ञानिक साम्य और दृष्टिकोण को अच्छी तरह से चित्रित किया। इस युग के कलाकारों में शारीरिक संरचना के ज्ञान का अभाव था, फिर भी उनकी चित्रकला में वैज्ञानिक अनुपात तथा अवलोकन का गुण देखने को मिलता है। 15वीं शती के पुनर्जागरण काल में कला तथा प्रकृति में सन्तुलन एवं समन्वय पर पर्याप्त जोर दिया गया है। प्रकाश एवं छाया, संक्षिप्तिकरण तथा परिदृश्य की सम्पूर्णता का पूरा ध्यान रखा गया है। इस युग के बहुत प्रसिद्ध कलाकारों में लियोनार्डो डा विन्ची, रैफेल तथा माइकल एन्जेलो का जिक्र किया जाता है। व्यवहारवादी कलाकारों ने उच्च पुनर्जागरण युग के सिद्धान्तों की दीर्घरूपता को असंगत ठहराया। इस स्तर पर मानवीय संवेगों, भाव-भंगिमाओं पर शारीरिक संरचना से अधिक महत्व दिया गया था।

(a) 14वीं शती के पुनर्जागरण में ___________ तथा __________ लब्धप्रतिष्ठित कलाकार थे।

उत्तर – डुच्चो, मासाच्चीयो

(b) 15वीं शती के पुनर्जागरण काल में __________ एवं ___________ पर पर्याप्त जोर दिया गया।

उत्तर – सन्तुलन एवं समन्वय

(c) चित्रकार्य में प्रकाश, __________, __________ का सही प्रयोग हुआ।

उत्तर – प्रकाश, छाया

(d) पुनर्जागरण कला के प्रसिद्ध कलाकार है ___________, ________.

उत्तर – लियोनार्डो डा विन्ची, रैफेल तथा माइकल एन्जेलो

(e) _____________ उच्च पुनर्जागरण युग के सिद्धान्तों को आगे बढ़ाया।

उत्तर – व्यवहारवादी कलाकारों

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 8 – द्वितीय अनुच्छेद :

अमूर्त कला की बुनियाद के साथ पश्चिमी कला को एक महत्वपूर्ण अवस्था का प्रारम्भ माना जाता है। हमें कला में अमूर्त कला का प्रभाव दिखाई देता है परन्तु उसे यथार्थवाद से जोड़ा नहीं जा सकता। कोई भी कला चित्र जो असादृश्यमूलक है, उसे अमूर्त कला कहा जाता है। यद्यपि अमूर्त कला, घनवाद तथा अतियथार्थवाद का जन्म पश्चिम में हुआ तथापि भारतीय कलाकारों पर इसका प्रभाव कई कला चित्रों में देखने को मिलता है। इन नए आन्दोलनों में वैसली कांडिन्स्की, सल्वाडोर डाली तथा पब्लो पिकासो का योगदान कई स्तर पर रहा है। इसके बावजूद वे व्यक्तिपरक रहे। उनकी शैली अपनी ही रही। उनकी कलाकृतियाँ अपने पूर्वकाल की यथार्थवादी विचारधारा से भिन्न है। कला में घनवाद का जन्म एवं पोषण अमूर्त कला के आधार पर हुआ परन्तु पिकासो घनवादी कला का प्रतिनिधि कलाकार बना। उसकी चित्रकला एवं मूर्तिकला अपनी इसी शैली के कारण प्रसिद्ध हुई। उसके कला चित्रों में अलग-अलग स्तर पर उस समय का प्रभाव पड़ा तथा इसी कारण से प्रत्येक समय में चित्रित कृतियां एक-दूसरे से भिन्न हैं। डाली अतियथार्थवाद के काल में सबसे प्रसिद्ध कलाकार हुए हैं। उनका जीवन बड़ा मनोरंजक तथा विचित्र रहा। अमूर्त कला का प्रारम्भ वेजिली कांडिन्स्की के चित्रों से माना जाता है।

a) कोई भी कला चित्र जो सादृश्यमूलक है उसे अमूर्त कला कहा जाता है। (सत्य/असत्य)

उत्तर – असत्य

b) पिकासो और सल्वाडोर डाली व्यक्तिपरक नहीं रहे। (सत्य/असत्य)

उत्तर – असत्य

c) कला में घनवाद का जन्म एवं पोषण अमूर्त कला के आधार पर हुआ। (सत्य/असत्य)

उत्तर – सत्य

d) अमूर्त कला का प्रारम्भ कांडिन्स्की के चित्रों से माना जाता है। (सत्य/असत्य)

उत्तर – सत्य

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड – ग

विकल्प को चुनिये और सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (कम से कम 30 से 40 शब्दों में उत्तर दीजिए)

प्रश्न 9 – भारत में कम्पनी कला के पतन के बाद किस प्रकार की कला पनपी? संक्षेप में लिखिए।

उत्तर – कंपनी कला और मुगल कला के पतन के बाद, राजा रवि वर्मा ने तेल रंगों का उपयोग करके पौराणिक विषयों पर चित्र बनाना शुरू किया। इसके बाद बंगाल स्कूल का उदय हुआ, जिसने पश्चिमी यथार्थवाद को नकार दिया और भारतीय क्लासिक्स, अजंता और मुगल कला से प्रेरणा लेकर एक नई स्वदेशी शैली विकसित की।

प्रश्न 10 – 'लैंडस्केप इन रेड' चित्र का वर्णन कीजिए।

उत्तर – 'लैंडस्केप इन रेड' फ्रांसिस न्यूटन सूजा (F.N. Souza) द्वारा बनाई गई एक प्रयोगात्मक सिटीस्केप पेंटिंग है। इसमें उन्होंने किसी पारंपरिक परिप्रेक्ष्य का पालन नहीं किया है। यह एक रहस्यमयी दुनिया के दर्शन जैसा लगता है जिसमें सुलेखीय रेखाओं और रंगों का साहसिक उपयोग किया गया है।

प्रश्न 11 – सैंड्रो बोतिचेल्ली पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर – सैंड्रो बोतिचेल्ली प्रारंभिक पुनर्जागरण काल के एक प्रसिद्ध इतालवी चित्रकार थे। उनकी सबसे प्रसिद्ध कृति "**द बर्थ ऑफ वीनस**" (The Birth of Venus) है। उनके चित्रों में आकृतियों में एक गीतात्मक सौंदर्य, कोमलता और प्रवाह दिखाई देता है।

प्रश्न 12 – (a) होयसल काल को पत्थर की मूर्तियों का युग माना जाता है। क्यों?

उत्तर – होयसल काल के मंदिर अपनी वास्तुकला से ज्यादा अपनी मूर्तियों के लिए जाने जाते हैं। इस काल के मंदिरों में मूर्तियाँ दीवार का हिस्सा नहीं बल्कि वास्तुकला का अभिन्न अंग बन गईं। इसमें गहरी नक्काशी और जटिल डिजाइनों का प्रयोग किया गया है।

अथवा

(b) समकालीन भारतीय कलाकारों द्वारा प्रयुक्त तरीकों तथा तकनीकों के विषय में बताइए।

उत्तर – समकालीन भारतीय कलाकारों ने पश्चिमी तकनीकों जैसे तेल रंग, क्यूबिज़्म, अतियथार्थवाद को भारतीय आध्यात्मिकता और विषयों के साथ मिलाया। उन्होंने जलरंग, टेम्परा, और प्रिंट मेकिंग जैसे वुडकट, लिथोग्राफ, एचिंग जैसी विभिन्न तकनीकों के साथ प्रयोग किए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

विकल्प को चुनिये और प्रश्न का उत्तर दीजिए। (कम से कम 50 से 60 शब्दों में उत्तर दीजिए।)

प्रश्न 13 – (a) हड़प्पा काल में वास्तुकला के क्षेत्र में उच्चस्तरीय कला का प्रदर्शन हुआ है। एक उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर – हड़प्पा काल (सिंधु घाटी सभ्यता) वास्तुकला और नगर नियोजन में बहुत उन्नत थी। इसका सबसे बड़ा उदाहरण "**द ग्रेट बाथ**" (The Great Bath) या विशाल स्नानागार है जो मोहनजोदड़ो में मिला है। यह ईंटों से बना एक आयताकार टैंक है जो अपनी मजबूती और जल-रोधी तकनीक के लिए प्रसिद्ध है, जो उस समय की उच्चस्तरीय वास्तुकला कौशल को दर्शाता है।

अथवा

(b) 'गोवर्धन पर्वत को उठाते कृष्ण' नामक मूर्ति की विशेषताएँ लिखिए। वह कहाँ स्थित है?

उत्तर – यह **मूर्ति होयसल काल** (Hoysala Period) की है और वर्तमान में **बेलूर** (Belur), कर्नाटक के चेन्नाकेशव मंदिर में स्थित है। इसकी विशेषताएं हैं:

1. यह "**सोपस्टोन**" से बनी है जिससे गहरी नक्काशी संभव हुई।
2. कृष्ण को '**त्रिभंग**' मुद्रा में केंद्र में दिखाया गया है, जो बाएं हाथ से पर्वत उठा रहे हैं।
3. यह मूर्ति विभिन्न स्तरों में बनी है जिसमें मनुष्य और जानवर शामिल हैं, जो होयसल शैली की बारीक कारीगरी को दर्शाते हैं।

प्रश्न 14 – (a) कला में 'घनवाद' को परिभाषित कीजिए। पाब्लो पिकासो की किसी एक पेन्टिंग का वर्णन कीजिए।

उत्तर – घनवाद : यह 20वीं सदी की एक कला शैली है, जिसमें वस्तुओं को प्राकृतिक रूप में न दिखाकर ज्यामितीय आकारों जैसे घन, बेलन, शंकु में तोड़कर विभिन्न कोणों से एक साथ दिखाया जाता है। इसमें भावनाओं की जगह संरचना पर जोर दिया जाता है।

उदाहरण: पाब्लो पिकासो की पेंटिंग "**मैन विद वायलिन**" (Man with Violin) विश्लेषणात्मक घनवाद का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। इसमें मानव आकृति और वायलिन को इतने ज्यामितीय टुकड़ों में तोड़ा गया है कि उन्हें पहचानना मुश्किल है, लेकिन यह एक लयबद्ध संरचना बनाता है।

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(b) अमृता शेरगिल को किस यूरोपिय शैली ने सर्वाधिक प्रभावित किया? 'ब्रह्मचारीज' नामक चित्र की क्या विशेषताएँ हैं?

उत्तर – अमृता शेरगिल उत्तर-प्रभाववाद शैली से सर्वाधिक प्रभावित थीं, विशेषकर पॉल गाउगिन (Paul Gauguin) के कार्यों से।

'ब्रह्मचारीज' की विशेषताएं :

1. इस चित्र में पाँच ब्राह्मण छात्रों को दिखाया गया है।
2. इसमें आकृतियों का सरलीकरण है, लेकिन वे बहुत प्रभावशाली हैं।
3. रंगों का प्रयोग जैसे गहरा लाल-भूरा शरीर और सफेद धोती बहुत संतुलित है।
4. इसमें उदासी और गंभीरता का भाव है जो अमृता की शैली की पहचान है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

OCTOBER-2025

Your Path to Success

खंड - अ

नीचे लिखे प्रश्नों का सही उत्तर छाँटकर लिखिए :

Q1. गुप्त कालीन कला का एक प्रमुख गुण है :

(A) कान का थोड़ा-सा टेढ़ापन

(B) नाक का थोड़ा-सा टेढ़ापन

(C) होठों का थोड़ा-सा टेढ़ापन

(D) आँखों का थोड़ा-सा भेंगापन

उत्तर – (C) होठों का थोड़ा-सा टेढ़ापन।

Q2. 'द वर्जिन ऑफ द रॉक्स' नामक चित्र किसने चित्रित किया ?

(A) माइकल एन्जेलो

(B) लियोनार्डो डा विन्ची

(C) क्लॉड मॉने

(D) ऐडगर देगा

उत्तर – (B) लियोनार्डो डा विन्ची।

Q3. 'हनी इज स्वीटर दैन ब्लड' पेन्टिंग किस शैली का प्रतिनिधित्व करती है ?

(A) अतियथार्थवादी शैली

(B) घनवादी शैली

(C) अमूर्त कला शैली

(D) उत्तर प्रभाववाद शैली

उत्तर – (A) अतियथार्थवादी शैली।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Q4. 'वर्ड्स एंड सिम्बल्स' नामक चित्र में किस तकनीक को अपनाया गया है ?

(A) भित्ति चित्र

(B) कैलिग्राफिक

(C) ताम्र उत्कीर्णन

(D) मुद्रण

उत्तर – (B) कैलिग्राफिक (सुलेख)।

Q5. 'अश्वेत राजकुमारी' का माध्यम क्या है ?

(A) पत्थर

(B) फाइबर

(C) धातु

(D) टेम्परा

उत्तर – (D) टेम्परा।

Q6. उस कलाकार को पहचानिए जिसका सम्बन्ध "चित्र" से है।

(A) गगनेन्द्रनाथ टैगोर एवं 'दि आट्रियम'

(B) राजा रवि वर्मा एवं 'ब्रह्मचारिज'

(C) बिनोद बिहारी एवं 'ट्राइबल्स'

(D) कृष्णा रेड्डी एवं 'रॉकेट'

उत्तर – (A) गगनेन्द्रनाथ टैगोर एवं 'दि आट्रियम'।

खंड – ब

नीचे लिखे अनुच्छेदों को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Q7. अनुच्छेद प्रथम :

गुप्तकाल के बाद का समय भारतीय इतिहास में मन्दिर वास्तुकला तथा मूर्तिकला की प्रगति का युग कहलाता है। दक्षिण में **पल्लव, चोल, होयसल** तथा पूर्व में **पाल, सेन और गंगेज** वंशों ने इस प्रगति को सहेजा तथा इसे प्रोत्साहन दिया। दक्षिण में **महाबलीपुरम** अथवा **मामल्लपुरम** में **पंचरथ** तथा **मण्डप** ढाँचे देखने को मिलते हैं। जहाँ पल्लव तथा उनके विरोधी पश्चिमी चालुक्य वास्तुकला संबंधी क्रियाओं के लिए याद किए जाते हैं, वहीं **चोल** तथा **होयसल** अपने मन्दिर सम्बन्धी शिल्पकला के लिए हमेशा याद किए जाएँगे। **चोल** कलाकार काँसे की ढलाई द्वारा धातुओं की मूर्तियों में शरीर की लयात्मक गति को दिखलाने की कला में सबसे आगे थे। अपनी कला से उन्होंने काँस्य की मूर्तियाँ और धातु की जटिल मूर्तियाँ बनाईं। **चोल** वंशीय शासकों ने दक्षिण में बहुत-से प्रसिद्ध मन्दिरों का निर्माण कराया- इनमें **गंगकोण्डाचोलापुरम मन्दिर** तथा **बृहदेश्वर मन्दिर** सबसे अधिक महत्वपूर्ण और विशिष्ट हैं। ये मन्दिर अपनी सरलता (अकृत्रिमता), **स्मारकीय विशालता** तथा **राजसी गुणों** के लिए प्रसिद्ध हैं।

रिक्त स्थान भरिए :

(a) गुप्तकाल के बाद का समय .... की प्रगति के लिए जाना जाता है।

उत्तर – वास्तुकला तथा मूर्तिकला

(b) मामल्लपुरम में .... तथा .... देखने को मिलते हैं।

उत्तर – पंचरथ, मण्डप ढाँचे

(c) .... कलाकार .... की कला में सबसे आगे थे ।

उत्तर – चोल, काँसे की ढलाई

(d) चोल वंशीय शासकों ने .... तथा .... मन्दिरों का निर्माण कराया ।

उत्तर – गंगकोण्डाचोलापुरम, बृहदेश्वर

(e) ये मंदिर .... तथा .... में विशिष्ट हैं।

उत्तर – सरलता (अकृत्रिमता), स्मारकीय विशालता तथा राजसी गुणों

Q8. द्वितीय अनुच्छेद :

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

घनवाद चित्रकला एवं मूर्तिकला की एक शैली है जो लगभग 1907 में पेरिस में प्रारम्भ हुई है। 20वीं शती के प्रारम्भ में यह एक बहुत महत्त्वपूर्ण प्रवृत्ति थी। **सेजां** (Cezanne) घनवाद का पुरोगामी नायक था। उसका कहना था कि **"प्रकृति में प्रत्येक वस्तु को बेलन या गोला ही समझकर उसके साथ व्यवहार किया जाना चाहिए"।** इस युग के महत्त्वपूर्ण कलाकारों में **पिकासो** (Picasso), **ब्रक** (Braque) तथा **लेजे** (Leger) गिने जाते हैं। उन्होंने विशेष रूप से जड़ पदार्थों, प्राकृतिक दृश्य तथा रूपचित्रों को अपने चित्रों का विषय बनाया तथा उन कलाचित्रों के प्रेरक बिन्दु छोटे-छोटे अंशों में विभाजित हो गए। कलाकार का उद्देश्य मुख्य रूप से संरचना पर जोर देना था, भावनाओं पर नहीं। उनका उद्देश्य आकार पर जोर देना था - न कि ज्यामितीय आकारों में प्रयुक्त रंगों की गहराई पर। आकार अत्यधिक अमूर्त तथा सामान्य होते गए। 1920 तक कला का यह आन्दोलन समाप्ति पर आ गया।

अतियथार्थवाद एक दूसरा आंदोलन था, जो 1924 में प्रारम्भ हुआ और 1955 तक चला। अतियथार्थवादी कला के कलाकारों ने अचेतन मन की कल्पना को अपनी कला में प्रयुक्त किया। ये कलाकार अपने को नई विचारधारा के प्रतिनिधि मानने लगे। ये नई विचारधारा को मनोविश्लेषण द्वारा प्रभावित मानते थे। **दादावादी** (Dadaist) विद्रोह के फलस्वरूप इस क्रान्तिकारी आन्दोलन का जन्म हुआ। **जॉर्जिओ डे चिरिकी** (Giorgio de Chirico) तथा **सल्वाडोर डाली** (Salvador Dali) इस विचारधारा के बहुत प्रसिद्ध कलाकार माने जाते हैं।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद, आप :

- **अमूर्त कला, घनवाद तथा अतियथार्थवाद के विकास का वर्णन कर सकेंगे ।**

सत्य या असत्य लिखिए :

(a) घनवाद चित्रकला एवं मूर्तिकला की एक शैली है। (सत्य/असत्य)

उत्तर – सत्य

(b) पिकासो घनवाद का पुरोगामी नायक था । (सत्य/असत्य)

उत्तर – असत्य

कारण : घनवाद का पुरोगामी नायक सेजां (Cezanne) था ।

(c) घनवाद शैली के महत्त्वपूर्ण कलाकार ब्रक तथा लेजे हैं। (सत्य/असत्य)

उत्तर – सत्य

(d) अतियथार्थवाद मनोविश्लेषण द्वारा प्रभावित माना जाता है। (सत्य/असत्य)

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर – सत्य

खंड – स

विकल्प को चुनिए और सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (कम से कम 30 से 40 शब्दों में उत्तर दीजिए ।)

Q9. राजा रवि वर्मा के बारे में संक्षेप में लिखिए ।

उत्तर – राजा रवि वर्मा भारत के ख्याति प्राप्त कलाकार थे, जिनका जन्म केरल के किलिमनूर में हुआ था। उन्होंने भारतीय कला में यूरोपीय यथार्थवाद का मिश्रण किया। वे पौराणिक विषयों और तैल रंगों की तकनीक के लिए प्रसिद्ध थे।

Q10. फ्रांसिस न्यूटन सौज़ा पर टिप्पणी लिखिए ।

उत्तर – एफ.एन. सौज़ा का जन्म गोवा में हुआ। वे 1947 में प्रगतिशील कलाकार ग्रुप की स्थापना करने वाले वह सबसे युवा चित्रकार थे। उन्होंने अपनी कला में भारतीय मंदिर मूर्तिकला और पाश्चात्य शैली (पिकासो, मतीसे) का अद्भुत मिश्रण प्रस्तुत किया।

Q11. प्रसिद्ध चित्र 'बर्थ ऑफ वीनस' का वर्णन कीजिए ।

उत्तर – 'वीनस का जन्म' 1486 के आसपास सैंड्रो बोतिचेल्ली द्वारा बनाया गया पुनर्जागरण काल का प्रसिद्ध चित्र है। इसमें ग्रीक देवी वीनस को सीपी से पैदा होते हुए दिखाया गया है, जो सौन्दर्य, सत्य और आध्यात्मिक प्रेम की प्रतीक हैं।

Q12. (a) पल्लव वंशीय शासकों की राजधानी का नाम बताइये। इस वंश में बनी मूर्तियों की दो मुख्य विशेषताएँ बताइए ।

उत्तर – पल्लव शासकों की राजधानी मामल्लपुरम (महाबलीपुरम) थी।

इनकी मूर्तियों की दो मुख्य विशेषताएँ हैं-

1. मूर्तियों में तीव्र गति तथा विशालता का प्रदर्शन।
2. आकृतियों की कोमलता तथा उनकी गोलाई।

OR / अथवा

(b) उस भारतीय कलाकार के बारे में लिखिए जो अन्धा हो गया था ।

उत्तर – विनोद बिहारी मुखर्जी वह प्रसिद्ध भारतीय चित्रकार थे जिनकी आँखें बचपन से ही कमजोर थीं और जीवन के अंतिम चरण में अंधे हो गए थे। फिर भी उन्होंने शांतिनिकेतन में 'मैडीवल सेन्ट्स' नामक उत्कृष्ट भित्तिचित्र बनाया।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

विकल्प को चुनिए और प्रश्न का उत्तर दीजिए। (कम से कम 50 से 60 शब्दों में उत्तर दीजिए ।)

Q13. (a) सिन्धु घाटी सभ्यता के कार्यों का वर्णन कीजिए ।

उत्तर – सिन्धु घाटी सभ्यता से अनेक कलात्मक कार्य प्राप्त हुए हैं। इनमें मोहरें, चित्रित चीनी मिट्टी के बर्तन, आभूषण तथा धातु और पत्थर की लघु प्रतिमाएँ प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के औजार, खिलौने तथा कांस्य की प्रसिद्ध 'नाचती लड़की' जैसी उत्कृष्ट मूर्तियाँ भी प्राप्त हुई हैं, जो इस सभ्यता के उन्नत कलात्मक एवं शिल्पकौशल कार्यों का परिचय देती हैं।

OR / अथवा

(b) कोणार्क की 'सुरसुन्दरी' मूर्तिकला की क्या विशेषताएँ हैं ?

उत्तर – गंग वंश द्वारा निर्मित 'सुरसुन्दरी' नारी संगीतज्ञ की बड़ी मूर्ति है। इसे बड़ी गहराई से तराशा गया है। मुस्कान भरे चौड़े चेहरे और भारी शरीर के बावजूद इसमें गजब की लय और गति है। वह ड्रम बजा रही है। उसके अंगों का झुकाव और आभूषण उसे अत्यंत मोहक बनाते हैं।

विकल्प को चुनिए और प्रश्न का उत्तर दीजिए। (कम से कम 70 से 80 शब्दों में उत्तर दीजिए ।)

Q14. (a) 'विश्लेषणात्मक घनवाद' क्या है ? इस शैली के एक प्रसिद्ध चित्र का वर्णन कीजिए ।

उत्तर – विश्लेषणात्मक घनवाद 20वीं सदी की एक कला शैली है जिसमें त्रि-विमीय वस्तुओं को ज्यामितीय आकारों (जैसे घन) में तोड़कर समतल पर एक ही समय में विभिन्न कोणों से दर्शाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रयुक्त रंगों की गहराई के बजाय आकार की संरचना पर जोर देना था। इस शैली का प्रसिद्ध चित्र पिकासो का 'मैन विद वायलिन' (1912) है। इसमें वायलिन पकड़े एक मानव को विभिन्न ज्यामितीय टुकड़ों में बांटकर भूरे और हरे रंगों के मिश्रण से बहुत ही असाधारण तरीके से चित्रित किया गया है।

OR / अथवा

(b) भारतीय आधुनिक कला के क्रम विकास की समीक्षा कीजिए ।

उत्तर – भारत में ब्रिटिश राज के साथ समकालीन भारतीय कला प्रारम्भ हुई। राजा रवि वर्मा ने पौराणिक विषयों के तैलीय चित्रों में पाश्चात्य कला का प्रभाव दिखाया। दूसरी ओर अवनिंद्रनाथ टैगोर ने 'बंगाल स्कूल' द्वारा पाश्चात्य यथार्थवाद को अस्वीकृत कर भारतीय आदर्शवाद को प्राथमिकता दी। इसके बाद नंदलाल बोस ने नवजागृति व राष्ट्रीयता, जामिनी राय ने लोक कला, रवींद्रनाथ ने अभिव्यंजना तथा अमृता शेरगिल ने पाश्चात्य व भारतीय परम्पराओं को अपनाकर आधुनिक कला का विकास किया।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success